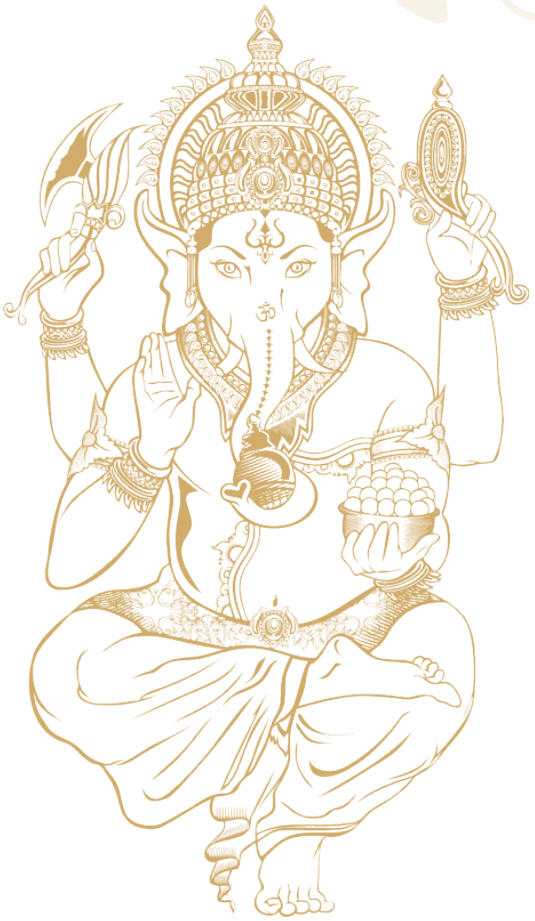

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119925203

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
20/05/2001 :	जन्म तिथि	: 07/10/2000
रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 23:30:00 :	जन्म समय	: 17:13:00 घंटे
घटी 44:53:19 :	जन्म समय(घटी)	: 27:13:36 घटी
India :	देश	: India
Alwar :	स्थान	: Hathras
27:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:36:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:32:40 :	सूर्योदय	: 06:13:47
19:08:03 :	सूर्यास्त	: 17:57:10
23:52:17 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:47

विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 7मा 19दि

सूर्य	
08/01/2025	
08/01/2031	
सूर्य	27/04/2025
चन्द्र	27/10/2025
मंगल	04/03/2026
राहु	27/01/2027
गुरु	15/11/2027
शनि	27/10/2028
बुध	02/09/2029
केतु	08/01/2030
शुक्र	08/01/2031

	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
	08:08:40	मक	लग्न	मीन	06:25:55
	05:53:55	वृष	सूर्य	कन्या	20:38:48
	06:24:21	मेष	चंद्र	मक	12:37:55
	04:39:27	धनु व	मंगल	सिंह	18:59:58
	28:09:55	वृष	बुध	तुला	15:58:24
	23:57:47	वृष	गुरु व	वृष	17:15:55
	21:36:11	मीन	शुक्र	तुला	21:48:57
	09:52:15	वृष	शनि व	वृष	06:33:43
	13:00:56	मिथु व	राहु व	मिथु	27:00:34
	13:00:56	धनु व	केतु व	धनु	27:00:34
	00:56:02	कुंभ	हर्ष व	मक	23:10:59
	14:52:48	मक व	नेप व	मक	09:56:43
	20:26:33	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:54:00

विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 0मा 9दि

राहु	
17/10/2015	
17/10/2033	
राहु	30/06/2018
गुरु	22/11/2020
शनि	29/09/2023
बुध	18/04/2026
केतु	06/05/2027
शुक्र	06/05/2030
सूर्य	31/03/2031
चन्द्र	28/09/2032
मंगल	17/10/2033

लग्न-चलित

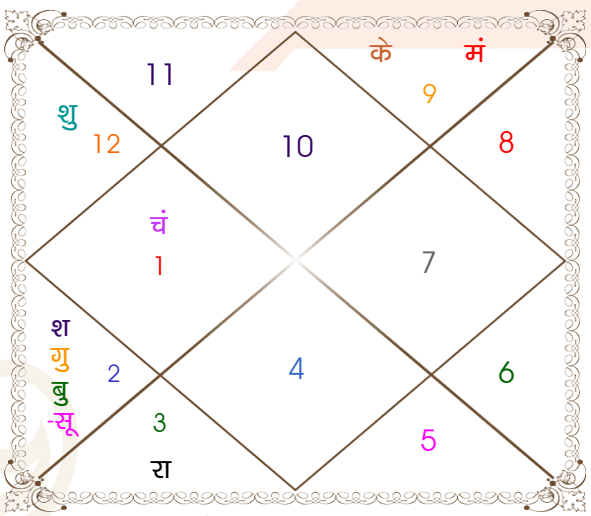

लग्न-चलित

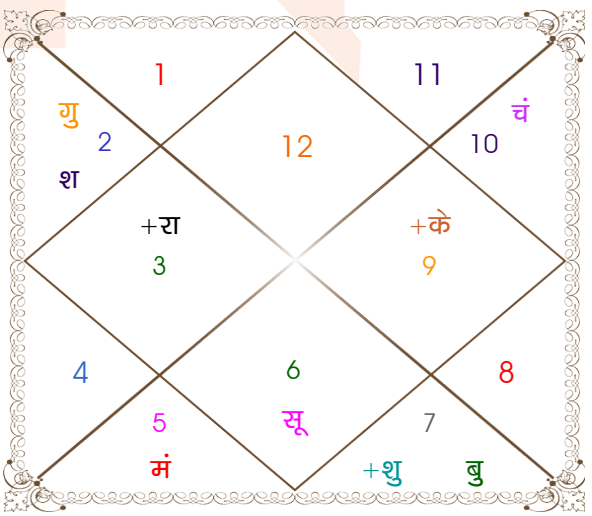

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।